

দর্পচূর্ণ করিয়া থাকো তাই তুমি দর্পহারী।  
সকলের জ্ঞাতা তব নাহি জ্ঞাতা বহিরন্তর চারী ॥

সর্ববিপদ ভঞ্জন তুমি মনোরঞ্জন হে প্রভু।  
চিতনন্দন জগবন্দন ছেড়ে দূরে যাও না কভু।  
তোমারই আলোতে ধরা আলোকিত নিখিল চিত্তবিহারী ॥

হেরে যাওয়া মনে বল দিয়ে যাও ফেলে আসা ব্যথা ভুলাইয়া দাও।  
(তুমি) নব উৎসাহে নবীন প্রবাহে এগিয়ে চলার দিশারী ॥

(কলিকাতা, ১৮ই জুলাই, ১৯৮৩)

তাল : দাদরা

|    | ১  |     |     | ০ |    |      |     | ১ |     |    |     | ০ |    |      |    |    |
|----|----|-----|-----|---|----|------|-----|---|-----|----|-----|---|----|------|----|----|
| II | সা | -া  | -া  |   | গা | -া   | মা  | I | মা  | পা | -া  |   | পা | পা   | ধা | I  |
|    | দ  | ০   | র্প |   | চু | ০    | র্গ |   | ক   | রি | য়া |   | ০  | থা   | কো |    |
| I  | গা | সাঁ | গা  |   | ধা | পা   | ধা  | I | মা  | পা | মা  |   | গা | -া   | সা | I  |
|    | তা | ই   | তু  |   | মি | দ    | ০   |   | র্প | ০  | হা  |   | রী | ০    | ০  |    |
| I  | সা | -া  | গা  |   | গা | -া   | মা  | I | মা  | পা | -া  |   | পা | -া   | ধা | I  |
|    | স  | ক   | লে  |   | র  | জ্ঞা | তা  |   | ত   | ব  | না  |   | হি | জ্ঞা | তা |    |
| I  | গা | সাঁ | গা  |   | ধা | পা   | ধা  | I | মা  | পা | মা  |   | গা | -া   | সা | II |
|    | ব  | হি  | র   |   | ০  | স্ত  | র   |   | চা  | ০  | ০   |   | রী | ০    | ০  |    |

দর্পচূর্ণ ..... দর্পহারী ॥

|    |    |     |     |  |    |     |    |   |    |     |     |  |    |     |    |    |
|----|----|-----|-----|--|----|-----|----|---|----|-----|-----|--|----|-----|----|----|
| II | সা | -া  | -া  |  | গা | -া  | মা | I | মা | পা  | -া  |  | পা | -া  | ধা | I  |
|    | স  | ০   | র্ষ |  | বি | প   | দ  |   | ভ  | ০   | ঞ্জ |  | ন  | তু  | মি |    |
| I  | গা | সাঁ | গা  |  | ধা | পা  | ধা | I | মা | পা  | মা  |  | গা | -া  | সা | I  |
|    | ম  | নো  | র   |  | ০  | ঞ্জ | ন  |   | হে | ০   | প্র |  | ভু | ০   | ০  |    |
| I{ | না | -া  | -া  |  | না | -া  | ধা | I | না | সাঁ | -া  |  | না | সাঁ | -া | }I |
|    | চি | ত   | ন   |  | ০  | ন্দ | ন  |   | জ  | গ   | ব   |  | ০  | ন্দ | ন  |    |

I গা সঁ গা । ধা পা ধা I মা পা মা । গা -া -া I  
 ছে ডে দূ রে যা ও না ০ ক ভূ ০ ০

I{ না -া -া । না -া সঁ I সঁ রঁ সঁ । গা ধপা ধা }I  
 তো মা রই আ লো তে ধ রা আ লো কি ত

I গা সঁ গা ধা পা ধা I মা পা মা । গা -া সা II  
 নি থি ল চি ০ ত্ত বি ০ হা রী ০ ০

দর্পচূর্ণ ..... দর্পহারী ॥

II সা -া -া । গগা গা মা I মা পা -া । পা -া ধা I  
 হে রে যা ওয়া ম নে ব ল দি য়ে যা ও

I গা সঁ গা ধা পা ধা I মা পা মা । গা -া সা I  
 ফে লে আ সা ব্যা থা ভূ লা ই যা দা ও

[সা -া] I{ সা -া গা । গা -া মা I মা পা -া । পা -া ধা I  
 তু মি ন ব উ ৎ সা হে ন বী ন প্র বা হে

I গা সা গা ধা পা ধা I মা পা মা । গা -া সা }IIII  
 এ গি য়ে চ লা র দি ০ শা রী ০ ০

দর্পচূর্ণ ..... দর্পহারী ॥